RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अक्टूबर
04
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

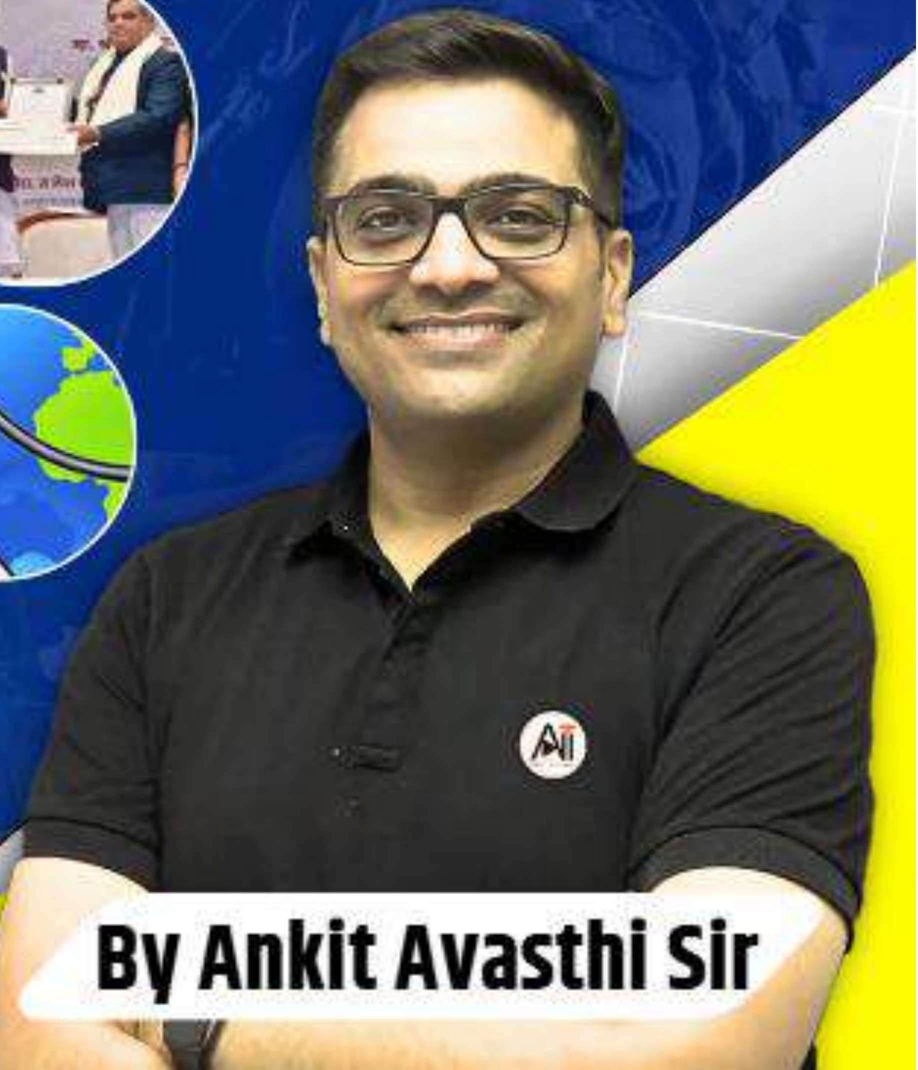

By Ankit Avasthi Sir

सर क्रीक विवाद / Sir Creek dispute

संदर्भ:

भारत के रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को सिर क्रीक क्षेत्र में किसी भी सैन्य हरकत के खिलाफ निर्णायक प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। उन्होंने विवादित क्षेत्र में पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य तैनाती का हवाला देते हुए इसे गंभीर चुनौती बताया।

सर क्रीक विवाद: संक्षिप्त परिचय और मुख्य मुद्दे:

सर क्रीक एक **96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय जलमार्ग** है, जो **रन ऑफ कच्छ** के दलदली क्षेत्र में स्थित है और **गुजरात (भारत)** को **सिंध (पाकिस्तान)** से अलग करता है। यह **अरब सागर** में गिरता है और अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट होने के कारण **रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र** है।

महत्व:

सर क्रीक क्षेत्र के महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं में देखा जा सकता है:

- **सुरक्षा और रणनीति**
- **मछली पकड़ने के अधिकार**
- **तेल और गैस की खोज**
- **विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) निर्धारण**

विवाद का स्वरूप:

विवाद की जड़ **1914 के बॉम्बे गवर्नमेंट रिज़ॉल्यूशन** की अलग-अलग व्याख्याओं में है, जिसे सिंध (तत्कालीन ब्रिटिश भारत) और कच्छ के शासक के बीच हस्ताक्षरित किया गया था।

- **पाकिस्तान का दावा:** सीमा **क्रीक के पूर्वी किनारे** पर होनी चाहिए, जिससे क्रीक पूरी तरह सिंध को मिले।
- **भारत का दावा:** सीमा **थाल्वेग सिद्धांत** (सभी नेविगेबल जलमार्गों के मध्य रेखा) के अनुसार होनी चाहिए।

पाकिस्तान का विरोध

- पाकिस्तान का कहना है कि **सर क्रीक नेविगेबल नहीं है**, इसलिए थाल्वेग सिद्धांत लागू नहीं होता।

भारत का रुख

- भारत का कहना है कि क्रीक **उच्च ज्वार के समय नेविगेबल है**, इसलिए **अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियम** लागू होते हैं।

Sir Creek का महत्व:

- **सामरिक महत्व:** Sir Creek रण ऑफ कच्छ के पास स्थित है, जो भारत और पाकिस्तान की सीमा क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र पर नियंत्रण समुद्री सुरक्षा, निगरानी और सीमा प्रबंधन के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। 1965 के भारत-पाक युद्ध में इस क्षेत्र का सामरिक महत्व सामने आया था।
- **आर्थिक महत्व:** Sir Creek एशिया के सबसे बड़े मछली पकड़ने वाले क्षेत्रों में से एक है, जो हजारों मछुआरों की आजीविका का स्रोत है। इसके अलावा, समुद्र तल के नीचे संभावित तेल और गैस भंडार मौजूद हैं, जो क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं, हालांकि विवाद के कारण खोज अभी रुकी हुई है।
- **पारिस्थितिक महत्व:** यह क्षेत्र पर्यावरण और जैव विविधता के लिए संवेदनशील माना जाता है। सर्दियों में यहाँ प्रवासी पक्षियों जैसे फ्लेमिंगो आते हैं, जो इसे संरक्षण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

Sir Creek विवाद का समाधान प्रयास:

Sir Creek विवाद को सुलझाने के लिए कई बार प्रयास किए गए हैं, लेकिन अब तक अंतिम समाधान नहीं निकला है।

- **1965 युद्ध के बाद:** ब्रिटिश प्रधानमंत्री हैरोल्ड विल्सन की मध्यस्थता से एक ट्रिब्यूनल बनाया गया। 1968 के फैसले में पाकिस्तान को केवल अपने दावे का 10% हिस्सा दिया गया।
- **1997 का समग्र संवाद:** इस वार्ता में Sir Creek मुद्दे पर चर्चा हुई, जो भारत-पाकिस्तान संबंधों को सुधारने के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी।
- **1999 की तनातनी:** एक भारतीय लड़ाकू विमान ने Creek पर पाकिस्तानी निगरानी विमान को मार गिराया। भारत ने इसे हवाई क्षेत्र का उल्लंघन बताया, जबकि पाकिस्तान ने इसे खारिज किया।
- **2005–2007 संयुक्त सर्वेक्षण:** दोनों देशों ने क्षेत्र का सर्वेक्षण किया ताकि विवाद के संभावित समाधान का मार्ग खोजा जा सके।

बालोद भारत का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बना / Balod Becomes India's First Child Marriage-Free District

संदर्भ:

छत्तीसगढ़ सरकार ने घोषणा की है कि बालोद जिला अब देश का पहला ऐसा जिला बन गया है जिसे आधिकारिक तौर पर **"बाल विवाह मुक्त"** घोषित किया गया है। जिले की सभी 436 ग्राम पंचायतों और 9 शहरी निकायों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, क्योंकि पिछले दो वर्षों में यहां बाल विवाह के कोई मामले नहीं सामने आए और सत्यापन प्रक्रिया पूरी हो गई।

पृष्ठभूमि और अभियान:

'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान अगस्त 2024 में शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य देशभर में बाल विवाह को समाप्त करना है। यह पहल बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई थी। छत्तीसगढ़ सरकार ने इसे अपनी सामाजिक नीति में प्राथमिकता दी और इसे राज्य के विकास कार्यक्रमों का हिस्सा बनाया।

अभियान में शामिल हैं:

- **कानूनी प्रवर्तन**: बाल विवाह रोकने के लिए कड़े कानूनों का पालन।
- **जागरूकता अभियान**: समुदायों में बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति समझ बढ़ाना।
- **सामुदायिक भागीदारी**: स्थानीय लोगों और संस्थाओं को अभियान में जोड़ना।

प्रमाणपत्र प्रक्रिया:

बाल विवाह-मुक्त स्थिति का **प्रमाणपत्र** प्राप्त करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसमें शामिल हैं:

- पिछले **दो वर्षों में कोई बाल विवाह नहीं होने** की पुष्टि।
- **दस्तावेज़ों की जांच और कानूनी प्रक्रियाएँ** पूरी करना।
- प्रक्रिया में **पारदर्शिता और विश्वसनीयता** सुनिश्चित की जाती है।

इस तरह का प्रमाणपत्र न केवल शासन की सफलता को दर्शाता है, बल्कि **समाज में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा** को भी मजबूत करता है।

महत्व:

- **बालोद का उपलब्धि:** बालोद जिला भारत का पहला आधिकारिक रूप से प्रमाणित बाल विवाह-मुक्त जिला बन गया है।
- **राष्ट्रीय मानक:** यह सामाजिक सुधार के लिए एक राष्ट्रीय बेंचमार्क स्थापित करता है।
- **संदेश का सशक्तिकरण:** यह दिखाता है कि जमीनी स्तर की भागीदारी और सरकारी समर्थन मिलकर हानिकारक प्रथाओं को खत्म कर सकते हैं।
- **भविष्य की राह:** इस सफलता से छत्तीसगढ़ को 2028-29 तक बाल विवाह-मुक्त राज्य बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त होता है।

भारत मे सरकार द्वारा उठाए गए कदम

1. **बाल विवाह निषेध अधिनियम (PCMA), 2006:**
   - 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़कों के विवाह पर रोक।
   - धारा 16 के तहत राज्य सरकार को **Child Marriage Prohibition Officers (CMPOs)** नियुक्त करने का अधिकार।
2. **जुवेनाइल जस्टिस (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015:**
   - उन बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रावधान जो विवाह की उम्र पूरी होने से पहले विवाह के खतरे में हों।
3. **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना (2015):**
   - लिंग आधारित रुढ़ियों और पुत्रवादी परंपराओं को चुनौती देने के उद्देश्य से।
   - इसमें **लड़कियों के जन्म का जश्न**, **सुकन्या समृद्धि खाता** और **बाल विवाह रोकना** शामिल है।
4. **राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR):** बाल कल्याण समितियों (CWC), पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग और नागरिक समाज संगठनों के साथ मिलकर बाल विवाह रोकने के लिए गतिविधियाँ।
5. **बाल विवाह रोकने के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना:** जोखिम में बच्चों का समर्थन, बेहतर डेटा संग्रह, जागरूकता कार्यक्रम और राज्य तथा स्थानीय सरकारों के बीच मजबूत समन्वय।
6. **आपातकालीन आउटरीच सेवाएँ: CHILDLINE (1098)**: संकट में बच्चों के लिए 24x7 टेलीफोन सेवा, जिसमें बाल विवाह रोकना भी शामिल।
7. **राज्य सरकारों की साझेदारी (UNICEF और अन्य NGOs के साथ):**
   - उदाहरण: बिहार में UNICEF स्थानीय धार्मिक नेताओं और कथावाचकों को प्रशिक्षण दे रहा है, साथ ही युवाचार्यों की टीम बना रहा है जो गांव स्तर पर बाल विवाह रोकने की गतिविधियों में मदद करे।

राष्ट्रीय धनवंतरी आयुर्वेद पुरस्कार 2025 / National Dhanvantari Ayurveda Award 2025

संदर्भ:

आयुष मंत्रालय ने प्रो**. बंवारी लाल गौड़, वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी., और वैद्य भावना प्रशर** को राष्ट्रीय धनवंतरी आयुर्वेद पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार उन्हें आयुर्वेद के क्षेत्र में शैक्षणिक, पारंपरिक और वैज्ञानिक योगदान के लिए दिया गया है।

- यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने आयुर्वेद के प्रचार, संरक्षण और उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। इस वर्ष के पुरस्कार विजेता शास्त्रीय ज्ञान, जीवित परंपरा और वैज्ञानिक नवाचार के अद्वितीय संयोजन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

2025 के पुरस्कार विजेता:

1. **प्रोफेसर बनवारी लाल गौर:**
   - लंबे समय तक आयुर्वेदिक शिक्षा और संस्कृत साहित्य में विद्वान और शिक्षाविद् के रूप में योगदान के लिए सम्मानित।
2. **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.**
   - आयुर्वेद को पारंपरिक, समुदाय-केंद्रित अभ्यास के रूप में संरक्षित और आधुनिक बनाने के लिए सम्मानित।
   - वैद्यरत्नम समूह के प्रमुख, जो 200 साल पुरानी आयुर्वेदिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं।
3. **वैद्य भव्य प्राशर:**
   - CSIR-IGIB की वैज्ञानिक, जिन्होंने **आयुर्जेनॉमिक्स** में पायोनियरिंग काम किया, जिसमें आयुर्वेदिक सिद्धांतों को आधुनिक जीनोमिक विज्ञान के साथ एकीकृत किया गया।

: **आयुष मंत्रालय पुरस्कार के बारे में:**

- **स्थापित द्वारा:** आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
- **पुरस्कार की तिथि:** ये पुरस्कार वार्षिक रूप से प्रदान किए जाते हैं, अक्सर धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) के आसपास
- **उद्देश्य:** आयुर्वेद में उत्कृष्टता को सम्मानित करना और भविष्य की पीढ़ियों को इस क्षेत्र में संरक्षण, प्रचार और नवाचार के लिए प्रेरित करना
- **महत्त्व:** यह पुरस्कार भारत की समग्र स्वास्थ्य देखभाल (होलिस्टिक हेल्थकेयर) को बढ़ावा देने और पारंपरिक ज्ञान के आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ एकीकरण को प्रदर्शित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है

नेशनल धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2024

नेशनल धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2024 उन तीन व्यक्तियों को प्रदान किया गया जिन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया। यह पुरस्कार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मुंबई में 20 फरवरी 2025 को प्रदान किए गए।

पुरस्कार विजेता:

- वैद्य तारा चंद शर्मा: नाड़ी वैद्य के रूप में आयुर्वेदिक निदान और साहित्य में योगदान के लिए सम्मानित।
- वैद्य माया राम उनियाल: द्रव्यगुण विज्ञान में व्यापक सेवा और विद्वत्ता के लिए पुरस्कृत।
- वैद्य समीर गोविंद जमदग्नी: आयुर्वेद शिक्षा को आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए सम्मानित।

महत्व

- यह पुरस्कार आयुर्वेद की निरंतरता और विकास को मान्यता देता है, चाहे वह शास्त्रीय विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास, या आधुनिक विज्ञान से जुड़ा हो।
- आयुर्वेद की एकीकृत और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा में भूमिका को मजबूत करता है।
- भारत को पारंपरिक चिकित्सा और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने में योगदान देता है।

आयुर्वेद: आयुर्वेद भारत की प्राचीन पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है, जो जीवन का विज्ञान मानी जाती है और 5,000 साल से भी अधिक पुरानी है। इसका मूल सिद्धांत है कि शरीर, मन और आत्मा का संतुलन स्वास्थ्य बनाए रखता है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तब बीमारी उत्पन्न होती है। आयुर्वेद में उपचार के कई तरीके अपनाए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- आहार और पोषण
- योग और ध्यान
- मालिश (अभ्यंग) और शरीर चिकित्सा
- हर्बल चिकित्सा (जड़ी-बूटियों से उपचार)

मेड इन इंडिया' H125 हेलीकॉप्टर / 'Made in India' H125 helicopter

संदर्भ:

एयरबस हेलीकॉप्टर्स और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स ने मिलकर भारत का पहला निजी हेलीकॉप्टर असेंबली प्लांट लगाने की घोषणा की है। यह प्लांट कर्नाटक के वेमागल में स्थापित होगा। प्लांट में मेड इन इंडिया H125 हेलीकॉप्टर बनाए जाएंगे, और पहला हेलीकॉप्टर 2027 की शुरुआत में तैयार होने की उम्मीद है।

भारत में 'मेड इन इंडिया' H125 हेलीकॉप्टर की पहली डिलीवरी 2027 में:

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स भारत में H125 हेलीकॉप्टर का असेंबली, टेस्टिंग और फाइनल उड़ान परीक्षण करेगा।

- पहली डिलीवरी: 2027 की शुरुआत में
- निर्यात: दक्षिण एशिया के अन्य देशों को
- भविष्य योजना: H125 का मिलिट्री वर्जन H125M भी भारत में तैयार किया जाएगा, जिसमें देश में बने कंपोनेंट्स और तकनीक का अधिक इस्तेमाल होगा।

H125 हेलीकॉप्टर: परिचय और प्रमुख विशेषताएँ

H125 हेलीकॉप्टर, जिसे पहले **Eurocopter AS350 Écureuil (Squirrel)** कहा जाता था, एयरबस हेलीकॉप्टर्स का एक **सिंगल-इंजन मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर** है। इसे **'मेड इन इंडिया'** के रूप में भारत में असेंबल किया जाएगा, जिससे देश की **सिविल और रक्षा जरूरतों** को पूरा किया जा सकेगा।

मुख्य तकनीकी विशेषताएँ और प्रदर्शन:

- **उच्च ऊंचाई क्षमता:** H125 ने **8,848 मीटर** की ऊँचाई पर सफलतापूर्वक उतरने और उड़ान भरने का रिकॉर्ड बनाया है, जो इसे हिमालयी और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में संचालन के लिए उपयुक्त बनाता है।
- **इंजन और शक्ति:** इसमें **फ्रांस** की Safran कंपनी का Arriel 2D turboshaft इंजन लगा है, जो इसे कठिन परिस्थितियों में भी भरोसेमंद बनाता है।
- **केबिन और क्षमता:** हेलीकॉप्टर का केबिन बड़ा है और इसमें पायलट समेत **5-6 अतिरिक्त लोग** आसानी से बैठ सकते हैं।
- **कार्गो क्षमता:** इसमें कार्गो हुक लगा है, जो 1,400 किलो तक का वजन कहीं भी पहुंचा सकता है, जिससे यह एक उत्कृष्ट ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर बन जाता है।
- **सुरक्षा और नेविगेशन:** इसमें क्रैश-रेसिस्टेंट फ्यूल सिस्टम और आधुनिक नेविगेशन सिस्टम है, जिससे पायलट को कम प्रयास में हेलीकॉप्टर उड़ाने की सुविधा मिलती है।

मल्टी-मिशन और उपयोगिता:

H125 को कई अलग-अलग मिशनों के लिए कॉन्फ़िगर किया जा सकता है:

- आपदा राहत और बचाव ऑपरेशन
- आग बुझाने के अभियान
- कानून प्रवर्तन और सुरक्षा संचालन
- मेडिकल ट्रांसपोर्ट और एयर एम्बुलेंस सेवाएँ
- पैसेंजर ट्रांसपोर्ट और पर्यटन

इसकी बहुआयामी क्षमताओं और मजबूत डिजाइन के कारण इसे **सिविल और पैरापब्लिक सेक्टर दोनों** में व्यापक उपयोग के लिए उपयुक्त माना जाता है।

भारत में उपयोग:

- **सैन्य क्षेत्र:** हिमालयी क्षेत्रों में सेना के लिए **लाइट मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर** के रूप में आदर्श।
- **सिविल और पैरापब्लिक क्षेत्र:** आपदा राहत, **इमरजेंसी मेडिकल फ्लाइट्स**, पर्यटन और कानून प्रवर्तन के लिए नई संभावनाएँ।
- **वैश्विक उपयोग:** दुनिया भर के **100 से अधिक देशों** में H125 के अलग-अलग वेरिएंट्स के **5,000+ हेलीकॉप्टर** सेवाओं में हैं।

एयरबस के बारे में:

एयरबस एक प्रमुख यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी है, जो वाणिज्यिक और सैन्य विमानों के साथ-साथ रक्षा और अंतरिक्ष उद्योग के लिए अत्याधुनिक उत्पाद बनाती है। यह अमेरिकी कंपनी **बोइंग** के साथ मिलकर दुनिया की दो सबसे बड़ी विमान निर्माताओं में गिनी जाती है।

मुख्य जानकारी

- **स्थापना:** 1970 में यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनियों के एक संघ के रूप में।
- **मुख्यालय:** कानूनी रूप से **नीदरलैंड के लीडेन** में पंजीकृत; मुख्य कार्यालय **ब्लैग्नैक (फ्रांस)** में।

महामारी आपातकाल की नई परिभाषा / New Definition of Pandemic Emergency

संदर्भ:

संशोधित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियम (IHR) सितंबर 2025 से लागू हो गए हैं, जिनमें एक नए कानूनी श्रेणी – 'महामारी आपातकाल' की स्थापना की गई है। ये संशोधन जून 2024 में 77वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में प्रस्ताव WHA77.17 के माध्यम से सर्वसम्मति से अपनाए गए थे।

महामारी आपातकाल (Pandemic Emergency) क्या है?

महामारी आपातकाल एक नई श्रेणी है जो **अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य आपात स्थिति (Public Health Emergency of International Concern – PHEIC)** के तहत बनाई गई है। इसे तब घोषित किया जाता है जब कोई संक्रामक रोग निम्नलिखित गंभीर परिस्थितियों को पूरा करता है:

1. **व्यापक प्रसार:** रोग कई क्षेत्रों और देशों में तेजी से फैलता है।
2. **स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव:** यह स्वास्थ्य प्रणालियों पर इतना बोझ डालता है कि सामान्य चिकित्सा सेवाएँ प्रभावित हो जाती हैं।
3. **सामाजिक और आर्थिक व्यवधान:** यह महामारी समाज, अर्थव्यवस्था और दैनिक जीवन में गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करती है।
4. **अंतरराष्ट्रीय समन्वय की आवश्यकता:** प्रभाव को नियंत्रित करने और कम करने के लिए देशों के बीच त्वरित और संगठित कार्रवाई जरूरी होती है।

2024 के संशोधन और बदलाव:

ये संशोधन **77वीं विश्व स्वास्थ्य सभा (WHA77.17)** में जून 2024 में सर्वसम्मति से अपनाए गए।

प्रभाव की तिथि: जिन देशों ने इन संशोधनों को स्वीकार किया, उनके लिए 19 सितंबर 2025 से लागू होंगे।

मुख्य बदलाव और कानूनी दायित्व:

1. **महामारी आपातकाल की घोषणा:** WHO के **डायरेक्टर-जनरल (DG)** यह तय कर सकते हैं कि कोई PHEIC (Public Health Emergency of International Concern) महामारी आपातकाल (Pandemic Emergency) के रूप में मान्य है या नहीं, जो **Article 12** के तहत किया जाता है।
2. **राष्ट्रीय IHR प्राधिकरण:** प्रत्येक देश में **राष्ट्रीय International Health Regulations (IHR) प्राधिकरण** नियुक्त करना अनिवार्य होगा, जो मंत्रालयों और विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करेगा।
3. **सहयोगात्मक वित्तीय तंत्र:** विकासशील देशों की महामारी तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाने के लिए एक Coordinating Financial Mechanism स्थापित किया गया।
4. **स्टेट्स पार्टीज कमिटी:** इसका उद्देश्य संशोधनों के क्रियान्वयन में मार्गदर्शन और निगरानी करना है, लेकिन यह दंडात्मक नहीं होगी।

महामारी आपातकाल की विशेषताएँ:

1. **स्तरीकृत चेतावनी प्रणाली:** महामारी आपातकाल PHEIC से एक उच्च स्तर है, जो गंभीर स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक संकट के समय सक्रिय किया जाता है।
2. **व्यापक ट्रिगर:** इसका निर्धारण स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव, सामाजिक और आर्थिक विघटन, और पूरे समाज को शामिल करने वाली प्रतिक्रिया आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है।
3. **समानता और एकजुटता:** इसमें वैक्सीन, दवाइयों और वित्तीय सहायता तक न्यायसंगत पहुँच सुनिश्चित करने पर जोर है।
4. **सार्वभौमिकता का सम्मान:** WHO देश के अंदर लॉकडाउन जैसे उपाय लागू नहीं कर सकता; राष्ट्रीय सरकारें अपने क्षेत्र में नियंत्रण बनाए रखती हैं।
5. **एकीकरण:** यह PHEIC तंत्र को मजबूत करता है और प्रक्रियाओं की दोहराव से बचाता है।

महत्व (Significance):

- **कानूनी स्पष्टता:** वैश्विक महामारी की घोषणा के लिए स्पष्ट मानदंड स्थापित करता है।
- **तेज़ प्रतिक्रिया:** अंतरराष्ट्रीय संसाधनों और विशेषज्ञता के शीघ्र परिचालन को सक्षम बनाता है।
- **समानता में सहायता:** विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता तक पहुंच मिलती है।

हिम तेंदुआ / Snow Leopard

संदर्भ:

हिमाचल प्रदेश में नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार **83 हिम तेंदुए पाए** गए हैं। यह सर्वेक्षण राज्य वन विभाग की वन्यजीव विंग और नेचर कंज़र्वेशन फाउंडेशन (NCF) के सहयोग से किया गया।

सर्वेक्षण के प्रमुख तथ्य:

- **क्षेत्रफल और क्षेत्र:** 26,000 वर्ग किलोमीटर में स्पीति वैली, किन्नौर, पांगी, लाहौल और ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क शामिल।
- **उपकरण और तकनीक:** 271 कैमरा ट्रैप्स का उपयोग किया गया।
- **विशेष खोजें:**
  - किन्नौर में पहली बार **Pallas's Cat** का आधिकारिक अवलोकन।
  - लाहौल में **Woolly Flying Squirrel** का पुनः खोज।
- **समुदाय की भागीदारी:** पहली बार वैश्विक स्तर पर **Kibber की स्थानीय महिलाओं** ने डेटा विश्लेषण में योगदान दिया, जिससे संरक्षण कार्य में समावेशी भागीदारी को उजागर किया गया।

स्नो लेपर्ड (Panthera uncia) के बारे में:

- **राज्य पशु:** लद्दाख और हिमाचल प्रदेश का घोषित राज्य पशु।
- **आवास:** 12 देशों में पाया जाता है – अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कजाखिस्तान, किर्गिज़िस्तान, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान।
- **भारत में आबादी:** हिमालय और ट्रांस-हिमालय क्षेत्र में अनुमानित 500–700 स्नो लेपर्ड।
- **खेल और प्रतीक:** खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2024 का मास्कॉट, जिसका नाम लद्दाख में **Sheen-e She (Shan)** रखा गया।
- **संरक्षण स्थिति:** IUCN रेड लिस्ट में **Vulnerable (संवेदनशील)** के रूप में सूचीबद्ध।
- **विशेषताएँ:** यह केंद्रीय और दक्षिण एशिया की पर्वतीय श्रृंखलाओं का मूल निवासी है।

पेमेंट्स रेगुलेटरी बोर्ड / PRB

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने देश की भुगतान प्रणालियों की निगरानी के लिए छह सदस्यीय पेमेंट्स रेगुलेटरी बोर्ड (PRB) का गठन किया है।

पेमेंट्स रेगुलेटरी बोर्ड (PRB) – प्रमुख विवरण

स्थापना और उद्देश्य: भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 30 सितंबर 2025 को **पेमेंट्स रेगुलेटरी बोर्ड (PRB)** की स्थापना की। इसका उद्देश्य देश में सभी पेमेंट सिस्टम्स की निगरानी, नियमन और सुरक्षा को सुदृढ़ करना है। PRB ने पुराने **Board for Regulation and Supervision of Payment and Settlement Systems (BPSS)** को बदल दिया।

मुख्य कार्य:

- भारत के सभी पेमेंट सिस्टम्स, डिजिटल और गैर-डिजिटल, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन की निगरानी।
- पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम्स के प्रभावी संचालन के लिए नियम बनाना और लागू करना।
- **National Payments Corporation of India (NPCI)** और विभिन्न कार्ड नेटवर्क जैसे पेमेंट ऑपरेटरों को अधिकृत करना।
- देश में लेन-देन की सुरक्षा, दक्षता और भरोसेमंदी सुनिश्चित करना।

संरचना:

PRB का गठन **Payment and Settlement Systems Act, 2007** में संशोधन के माध्यम से किया गया। बोर्ड में शामिल हैं:

- **अध्यक्ष:** RBI गवर्नर
- **RBI प्रतिनिधि:** डिप्टी गवर्नर और पेमेंट एवं सेटलमेंट सिस्टम्स के प्रभारी कार्यकारी निदेशक
- **सरकारी नामांकित सदस्य:** केंद्रीय सरकार द्वारा नामांकित तीन सदस्य, जिनमें वित्तीय सेवा विभाग के सचिव और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव शामिल हैं
- **स्थायी आमंत्रित सदस्य:** RBI के प्रधान विधिक सलाहकार

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
BBK
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात
Baaten Bazar Ki

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

\+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)**

EMI AVAILABLE

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR